नहीं है।

7) नैतिक स्वतंत्रता (Ethical liberty)

नैतिक स्वतंत्रता का तात्पर्य व्यक्ति की उस मानसिक स्थिति से है जिसमें वह अनुचित लोभ-लालच के बिना अपना सामाजिक जीवन व्यतीत करने की योग्यता रखता है। कांट के विचार में व्यक्ति की विवेकपूर्ण इच्छा शक्ति ही उसकी वास्तविक स्वतंत्रता है।

8) सामाजिक स्वतंत्रता (Social liberty)

सामाजिक स्वतंत्रता सामाजिक समानता व न्याय की जननी मानी जाती है, मनुष्य के साथ जाति, वर्ग, वर्ण, लिंग, धर्म, नस्ल आदि के आधार पर भेदभाव न किया जाना व समान व्यवहार करना सामाजिक स्वतंत्रता है। हमारे संविधान में समता का अधिकार इसी स्वतंत्रता को पुख्ता करने के लिए दिया गया है। कानून के समक्ष समता व समान कानूनी संरक्षण प्राप्त है। यही सामाजिक स्वतंत्रता है।

9) राष्ट्रीय स्वतंत्रता (National liberty)

कोई राष्ट्र जब सम्प्रभु राज्य बन जाता है तो यही राष्ट्रीय स्वतंत्रता का परिचायक है, अर्थात वह अन्य देशों के आदेश पालन से मुक्त हो जाता है। उपनिवेशवाद इसका सबसे बड़ा शत्रु है। राष्ट्रीय स्वतंत्रता के बिना व्यक्ति की अन्य स्वतंत्रताएं गौण है।

10) संवैधानिक स्वतंत्रता (Constitutional liberty)

यह नागरिकों को संविधान द्वारा प्रदत्त की जाती है। संविधान ऐसी स्वतंत्रताओं की रक्षा की गारंटी देता है जिससे शासन भी कटौती नहीं कर सकता है। भारतीय संविधान का अनु० 32 नागरिकों को संवैधानिक उपचारों का अधिकार देता है।

END

Kumari madhuri

Scanned with CamScanner